अहमदाबाद, श्रेयांस धमसैया। मुनिश्री प्रज्ञासागरजी महाराज के सानिध्य में महावीर जयंती समारोह पर समग्र दिगम्बर जैन समाज की भव्य शोभायात्रा डी.के. पटेल हॉल पर संपन्न हुई। इस विशाल शोभायात्रा में श्रीजी के रथ के साथ अनेक घोड़ा गाड़ी, ऊंटगाड़ी, बैंड बाजे थे। शोभा यात्रा के अंत में स्वामी वात्सल्य का आयोजन भी हुआ।

नगर में गोलालारीय परिवार बाहुल्य क्षेत्रों के मंदिर में अनेक कार्यक्रमों रखे गए। नगर के समस्त मंदिरों में सुन्दर विद्युत सज्जा की गई थी।

धनलक्ष्मी सोसायटी के 1008 श्री शांतिनाथ दि. जैन मंदिर में रात्रि को विशेष आरती का आयोजन रखा गया। सुबह नित्यपूजा पश्चात प्रवचन, पालना झुलाने के अतिरिक्त कई रोचक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

अंबिका नगर, ओढ़व में श्रीजी की रथयात्रा क्षेत्र के प्रमुख मार्गो से होती हुई 1008 श्री पार्श्वनाथ दि. जैन मंदिर पर अभिषेक पश्चात संपन्न हुई।

श्री हरीशचंदजी के अनुसार गोलालारीय समाज के सदस्यों सहित लगभग 700 श्रावकों ने शोभायात्रा में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, कार्यक्रम के अंत में स्वामी वात्सल्य रखा गया था। गोमतीपुर स्थित 1008 श्री संभवनाथ दि. जैन मंदिर से इस अवसर पर भव्य शोभा यात्रा निकाली गई, समाजजनों ने पूर्ण भक्तिभाव से शामिल होकर धर्मलाभ उठाया। श्री सुरेन्द्र कुमारजी ने बताया कि इस मंदिर में परम्परानुसार पूजा अर्चना कर कार्यक्रम का आयोजन होता है श्रीजी की रथ यात्रा में गोलालारीय परिवारों में अति उत्साह से भाग लिया। लगभग 1000 बंधुओं ने उपस्थित होकर भगवान महावीर स्वामी के अमर संदेश 'जीओ और जीने दो' को जन जन तक पहुंचाने का प्रण लिया। कार्यक्रम के अंत में स्वामी वात्सल्य का आयोजन रखा गया था।

महावीर जयन्ती पर आयोजित हुई विशाल संगोष्ठी

खतौली (उ.प्र.) डॉ. कपूरचंद जैन। 'भगवान महावीर' और जैन धर्म को जानने के लिए पंच अकार को जानना जरूरी है' भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव के अवसर पर रोटरी क्लब, खतौली द्वारा रोटरी भवन में आयोजित विशाल संगोष्ठी में उक्त विचार शिक्षाविद् डा. कपूरचंद जैन ने व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि आस्तिक्य या आस्था जैन धर्म ही नहीं सभी धर्मो की प्रथम सीढ़ी है। बिना श्रद्धा के धर्म के क्षेत्र में आगे नहीं बढ़ा जा सकता। अहिंसा की विशद व्याख्या करते हुए कहा कि अहिंसा और हिंसा का गणित बहुत अटपटा है। कभी एक हिंसा करता है, फल अनेक भोगते हैं, कभी अनेक हिंसा करते हैं फल एक भोगता है। कभी करते कम है भोगना ज्यादा पड़ता है। यह सब भावों का खेल है। जैन धर्म भावना प्रधान है हमारी दण्ड संहिता में भी यही तथ्य देखने को मिलते हैं। इस सन्दर्भ में उन्होंने आचार्य अमृत चन्द्र सूरि को उद्धृत किया – एक: करोति हिंसा, हिंसा फलभागिनो भवन्ति बहव:। बहव: विदधति हिंसा, हिंसा फलमुक्भवत्येक: ॥

दूसरा अकार अस्तेय है, हम लोभ के कारण उतना पाप नहीं करते जितना लालच के कारण करते है। जो वस्तु हमारे पास नहीं उसकी प्राप्ति के लिए सतत चिन्ता ही लालच है, वह मिले या न मिले किन्तु भावना से हम पाप कर बैठते है। हमारे पास वस्तुओं का उतना परिग्रह नही है, जितना हम उनके प्रति मूर्च्छा (यह मेरा है, मेरा है) की भावना के कारण परिग्रही हो जाते है। अनेकान्तवाद आज विश्वशान्ति के लिए परमावश्यक है, यदि हम मतभेद भुलाकर समन्वयवाद की भावना अपनायें तो स्वत: ही शान्ति आ सकती है। एकान्तवाद विषमता और असहिष्णुता को बढ़ाता है जबकि ''किसी दृष्टि से मैं सही हूँ किसी दृष्टि से आप सही है।'' ऐसा विचार सुख–शान्ति लाता है। लगभग 1 घंटे के उनके व्याख्यान को श्रोताओं ने एकटक होकर सुना। आरम्भ में रोटरी क्लब के पदाधिकारी ने डा. जैन का सम्मान किया। अध्यक्षता श्री ओमप्रकाश गुप्ता और संचालन श्री अलित कुमार ने किया। क्लब के सचिव पूर्व प्रधानाचार्य श्री विमल जैन ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर रोटरी क्लब के सदस्य उपस्थित थे।

डिंडोरी, राजीव जैन। महावीर जंयती के पुनीत अवसर पर नगर के प्रमुख मार्गो से भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। दिगम्बर समाज के समस्त परिवारों ने अपनी सहभागिता देकर भगवान महावीर स्वामी के संदेशों को जन जन तक पहुंचाने का प्रण लिया। सभी मंदिरों में विशेष पूजा अर्चना के साथ अनेक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ, जिसमें बच्चों एवं महिलाओं ने पूर्ण उत्साह के साथ भाग लिया।

ललितपुर, शैलेष जैन पिन्टू। दि. जैन पंचायत समिति (रजि.) के तत्वावधान में महावीर जयंती महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। सुबह 6 बजे से प्रभातफेरी निकाली गयी जिसमें जैन समाज ने भगवान महावीर की जय जयकार करते हुए नगर परिक्रमा की। तत्पश्चात मंदिरजी में भगवान महावीर का पालना झांकी प्रदर्शन तथा महावीर स्वामी का अभिषेक हुआ। शाम 6 बजे से अटाजी मंदिर से विशाल शोभा यात्रा प्रारंभ हुई जो विभिन्न मार्गो से होती हुई रात 10 बजे सावरकर चौक पर समाप्त हुई। शोभयात्रा में भगवान महावीर और विभिन्न जैनाचार्यों के चित्र महावीर स्वामी के जीवन से संबंधित चित्र प्रदर्शित किये गये। विभिन्न स्वयंसेवी संगठनो ने अखाड़े, चाचर और लेजम आदि का आकर्षक प्रदर्शन किया गया। श्री दि. जैन गोलालारीय समाज के नवयुवकों के संगठन **'जन मित्र सेवा समिति'** द्वारा ललितपुर ग्राम पनारी में स्थित मदर टेरेसा होम के असहाय मरीजों में सुबह का खाना, फल एवं शाम को चौबयाना मुहल्ला में शोभा यात्रा का शीतल पेय पिलाकर स्वागत किया, जिसे सर्व जैन समाज ने सराहा। कार्यक्रम में गोलालारीय समाज के श्रेष्ठियों और नवयुवकों ने तन मन धन से सहयोग किया।

गंज बासौदा, शांतिकुमार जैन। भगवान महावीर स्वामी की जयंती के शुभ अवसर पर श्रीजी की पूजा अर्चना के बाद नगर में गांधी चौक से महावीर बिहार तक विशाल शोभा यात्रा निकाली गई। शोभा यात्रा भजन कीर्तन व जयकारों के साथ प्रांरभ हुई। इसमें विद्यासागर संस्कार पाठशाला की बालिकायें डांडिया खेलती हुई चल रही थी। युवकों को दो मंडल अपने अपने दिव्य घोष के साथ गरिमापूर्ण अपनी प्रस्तुति दे रहे थे।

चांदी की पालकी में भगवान महावीर स्वामी की प्रतिमा विराजमान की गई थी। जिसे जैन समाज के लोग अपने कंधो पर लेकर चल रहे थे। तेज धूप के बावजूद उनके श्रद्धाभाव में कोई कमी नहीं नजर आ रही थी। शोभायात्रा में चल रही एक ट्रॉली में समवशरण की झांकी भी सजाई गई थी। इसे देखने से चारों तरफ भगवान महावीर के ही दर्शन होते थे। शोभायात्रा का जगह जगह भव्य स्वागत किया गया। समाज के लोगों द्वारा जगह जगह आरती उतारी, दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप गंजबासौदा के अध्यक्ष शांतिकुमार जैन व सचिव दिनेश जैन के नेतृत्व में पूरे कार्यक्रम में व्यवस्थाओं में भरपूर सहयोग प्रदान किया। शोभायात्रा में शामिल सभी लोगों को पेयजल व शरबत पिलाकर स्वागत किया गया।

विहिप प्रांतीय मंत्री श्री राजेश तिवारी ने भगवान महावीर स्वामी की आरती उतारी। अंत में शोभा यात्रा महावीर बिहार पहुंची जहां पर श्रीजी का अभिषेक, शांतिधारा व पूजा अर्चना हुई। कार्यक्रम में हजारों पुरुष महिलाओं व बच्चों ने हिस्सा लिया। अंत में सहभोज आयोजन किया गया।

दि. जैन सोशल ग्रुप की ओर से सरकारी अस्पताल में भर्ती मरीजों को फल वितरित किये गये साथ ही त्रिमूर्ति जैन महिला मिलन की सदस्याओं ने रेल्वे स्टेशन पर गरीब असहाय लोगों को खीर पूड़ी का वितरण किया।

सिद्धचक्र महामंडल विधान एवं विश्वशांति महायज्ञ संपन्न

सीहोर, प.पू. तपस्वी सम्राट आचार्य श्री 108 सन्मति सागरजी महाराज के सानिध्य में श्री 1008 सिद्धचक्र महामंडल विधान विभिन आयोजनों के साथ अभूतपूर्व धर्मप्रवाचन करते हुए संपन्न हुआ। अंतिम दिन विशाल चल समारोह निकाला गया जिसमें हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा की गई। चल समारोह में ऊंट, घोड़े, हाथी के साथ ही हजारों की संख्या में जनसमुदाय उपस्थित था। कार्यक्रम में सातों दिन सकल जैन समाज सीहोर एवं बाहर से आये अतिथियों की भोजन व्यवस्था वात्सल्य भोज सौजन्यकर्ताओं द्वारा की गई। एक दिन के सौजन्यकर्ता गोलालारीय दर्शन के विशेष सहयोगी एवं आयोजन समिति के कोषाध्यक्ष डॉ. पंकज जैन 'विदिशावाले' द्वारा की गई।

नियुक्ति पर बधाईयाँ

श्री दिगम्बर जैन मंदिर सुखलिया पंचायती ट्रस्ट के त्रैवार्षिक चुनाव में अस्थायी ट्रस्टी के रुप में श्री राजेन्द्र कुमार जैन एवं श्री दीपक कुमार निर्वाचित हुए है।

श्री दीपककुमार जैन को कार्यकारिणी समिति में सर्वानुमति से कोषाध्यक्ष पद नियुक्त किया गया। **श्री राजेन्द्र कुमार जैन** श्री गोलालारीय समाज इन्दौर के अस्थाई ट्रस्टी रह चुके है।

''गोलालारीय दर्शन'' परिवार
की ओर से हार्दिक बधाईयां।

इन्दौर, शशि जैन। भगवान महावीर का जन्म कल्याणक महोत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। शहर के सभी मंदिरों में प्रभातफेरी पश्चात पूर्ण मनोयोग से पूजा अर्चना कर श्रीजी का अभिषेक किया गया। गोलालारीय समाज मंदिर 64 न्यू देवास रोड़ पर स्थानीय समाजजनों के साथ समाज के ट्रस्टीगण भी पारंपिक शोभायात्रा में हर्षोल्लास पूर्वक शामिल हुए। शहर के दिगम्बर जैन समाज 'सामाजिक ससंद' के तत्वावधान में भव्य शोभायात्रा उत्साहपूर्वक निर्धारित मार्ग पर होती हुई कांच मंदिर पर संपन्न हुई। एक किलोमीटर लंबी इस शोभायात्रा में शहर के अनेको सोशल ग्रुप, समाज संगठन व क्षेत्रीय मंदिरों की झांकियां थी। जो जनचेतना के आकर्षक नारों से जनसमूह को जागृत कर रही थी। गोलालारीय समाज ने इस भव्य शोभायात्रा में 'बेटी बचाओं' के विचार के साथ अपनी सहभागिता निभाई। शोभायात्रा में सबसे बड़े समूह के रुप में चलते हुए समस्त समाजजनों के हाथों मे 'बेटी है तो कल है' बेटी दोनों परिवार को जोड़ने का काम करती हैं, नारों ने शोभायात्रा मार्ग पर उपस्थित जनसमूह को सोचने पर विवश करा। शोभायात्रा मार्ग पर विभिन्न संगठनों द्वारा लगाए गए मंचो ने समाज के इस प्रयास को काफी सराहा। 'बेटी बचाओं' थीम पर निर्णायक मंडल द्वारा गोलालारीय समाज को 13वां स्थान प्राप्त हुआ। समाज अध्यक्ष श्री कोमलचंदजी ने उपस्थित सभी सदस्यों का आभार प्रकट करते हुए भविष्य में भी इसी तरह एकजुट होकर कार्य करने का भरोसा दिलाया। शोभा यात्रा मार्ग पर में शामिल सदस्यों के लिए सशुल्क भोजन की व्यवस्था समाज की ओर से की गई थी।